राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान
उच्चत्त माध्यमिक पाठ्यक्रम - राजनीति विज्ञान
पाठ : 07 - राज्य के नीति निर्देशक तत्व तथा मौलिक कर्तव्य
कार्यपत्रक – 07

Q.1 "राज्य के नीति निदेशक तत्व केंद्र के साथ-साथ राज्यों की सरकारों को निर्देश के रूप में हैं", इस कथन के संदर्भ मे राज्य के निदेशक तत्वों के वर्गीकरण की व्याख्या कीजिए।

Q.2 "शिक्षा का सार्वभौमिकरण समाज और देश के विकास के लिए बहुत महत्वपूर्ण है" इस कथन की उदाहरण सहित अपने शब्दों मे पुष्टि कीजिए।

Q.3 डॉ अब्दुल कलाम ने "विकसित भारत 2020" के लिए जो सपना देखा उसको प्राप्त करने के लिए आवश्यक प्रयासों को अपने शब्दों मे लिखिए।

Q.4 हमारे संविधान ने महिलाओं की स्थिति को सशक्त बनाने के लिए कौन से प्रावधान किए हैं उन प्रावधानों को सूचीबद्ध कर के अपने शब्दों मे लिखे।

Q.5 निर्देशक सिद्धांत मौलिक अधिकारों से भिन्न हैं यदि हाँ तो उपयुक्त उदाहरण सहित समझाइए।

Q.6 नागरिकों के लिए मौलिक कर्तव्य आचार संहिता की प्रकृति के हैं , इस कथन के संदर्भ में कर्तव्यों की सूची बनाइए और समझाइए।

Q.7. हमारे संविधान में किए गए राज्य के नीति निदेशक तत्वों और मौलिक कर्तव्यों के प्रावधानों के महत्व पर अपने विचार लिखिए और इनका संविधान के किस भाग और अनुच्छेद में प्रावधान किया गया है।

Q.8 आर्थिक और सामाजिक सिद्धांतों द्वारा लोगों के सामाजिक और आर्थिक कल्याण को प्राप्त करने का प्रयास किया जाता है यदि हाँ तो उपयुक्त उदाहरण के साथ स्पष्ट कीजिए।

Q.9 निम्नलिखित गांधीवादी सिद्धांत के विषय मे संक्षेप मे लिखिए:

1. ग्राम पंचायतों का आयोजन करना।
2. कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए।

Q.10 "राज्य के नीति निदेशक तत्वों का उद्देश्य भारत के नागरिकों में शांतिपूर्ण और प्रगतिशील व्यवहार स्थापित करना है" इस कथन के प्रकाश मे निर्देशक सद्धांतों के उद्देश्यों को अपने शब्दों मे लिखिए।